



(४१९) ५५

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३१] नई विल्ली, शनिवार, अगस्त ३, १९८५ (श्रावण १२, १९०७)

No. ३१] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 3, 1985 (SRAVANA 12, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न हो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ		पृष्ठ	
पात्र I—बांड १—भारत सरकार के मंत्रालयों (राजा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सांविधिक बादेशों के संबंध में अधिसूचनाएं		पात्र II—बांड ३—उप-बांड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें इस मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय शाख-कार्जों (सच शासित बोर्डों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक बादेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिस्सी में प्राविहित पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के बांड ३ या बांड ४ में प्रकाशित होते हैं) ।	69
पात्र I—बांड २—भारत सरकार के मंत्रालयों (राजा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी संकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्तियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	573		
पात्र I—बांड ३—राजा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सांविधिक बादेशों के मंत्रालय के संबंध में अधिसूचनाएं	937		
पात्र I—बांड ४—राजा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी संकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्तियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	—	305	
पात्र II—बांड I—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*		
पात्र II—बांड १—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिस्सी मात्रा में प्राविहित पाठ	*		
पात्र II—बांड २—विषेषक तथा विशेषकों पर प्रबन्ध समितियों के बिस तथा रिपोर्ट	*		
पात्र II—बांड ३—उप-बांड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (राजा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सच शासित बोर्डों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के बादेश और उपविधियाँ आविष्कार सी शामिल हैं)	1817		
पात्र II—बांड ३—उप-बांड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (राजा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सच शासित बोर्डों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक बादेश और अधिसूचनाएं	4181		
पात्र III—बांड १—उप-बांड (iii)—महान्मेहा परोक्षक, संघ लोक सेवा बायोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च स्थायालयों और भारत सरकार के संबंध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं		26349	
पात्र III—बांड २—ट्रेटेन्ट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस		593	
पात्र III—बांड ३—मुख्य बायकों के प्राधिकार के अधीन संचालन द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं		—	
पात्र III—बांड ४—विविध अधिसूचनाएं जिनमें मार्बिंग निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश विकारान और नोटिस शामिल हैं		1689	
पात्र IV—गोरक्षकारी अधिन और गोरक्षकारी निकायों द्वारा विकारान घोर नोटिस		129	
पात्र V—प्रेसी और हिस्सी बोर्डों में जाम घोर मृत्यु के लालू हो दो, जाने हासा फ्रूटरक		*	

*पृष्ठ इकाया अंक सही हुई।

CONTENTS

	PAGES	PAGES	
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	573	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 1 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	69
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	957	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	305
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	26349
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	965	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	593
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1689
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committees on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	129
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	1817	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	4181		

*Follows Nos. not received

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विवित नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

परमाणु ऊर्जा विभाग

नई विल्ली-11, दिनांक 2 जुलाई, 1985

संकल्प

सं ० ६/६/८५—हिन्दी/१४५—भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग ने अपने से सम्बंधित विषयों पर हिन्दी में लिखी गई मीलिक पुस्तकों के सेक्षकों को पुरस्कृत करने के लिए डा० होमी भाभा पुरस्कार योजना नामक एक योजना सार्ग करने का नियम लिया है। उस योजना की प्रमुख बातें निम्नलिखित हैं—

I. योजना का नाम

योजना का नाम “परमाणु ऊर्जा विभाग से सम्बंधित विषयों पर हिन्दी में लिखी गई मीलिक पुस्तकों संबंधी डा० होमी भाभा पुरस्कार योजना” होगा।

II. उद्देश्य और प्रयोजन

योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि परमाणु ऊर्जा से सम्बंधित विषयों तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्यक्रमों के बायरे में आने वाले अन्य विषयों पर हिन्दी में मानक मीलिक पुस्तकों तैयार करने और लिखने के काम को वाषिक पुरस्कारों के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाए। इस प्रयोजन के लिए, निर्धारित विषय अनुबंध-१ में दिए गए हैं। अनुबंध-१ में दिए गए विषयों से भिन्न ऐसे विषयों पर लिखी गई पुस्तकों पर भी विभाग किया जाएगा जो परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्यक्रमों के बायरे में भासे हैं।

III. पुरस्कार की राशि

हिन्दी में लिखी गई मीलिक पुस्तकों पर निम्नलिखित पुरस्कार आवाहन द्वारा VI में बताए गए तरीके से गठित मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर दिए जायेंगे—

प्रथम पुरस्कार	.	.	.	10,000 रुपए
द्वितीय पुरस्कार	.	.	.	7,500 रुपए
तृतीय पुरस्कार	.	.	.	5,000 रुपए

यदि किसी वर्ष मूल्यांकन समिति यह पाएगी कि प्रस्तुत मीलिक पुस्तकों विषेषित स्तर की नहीं हैं तो यह संभव रहेगा कि उस वर्ष कोई भी या सभी पुरस्कार न दिए जायें।

यदि कोई अप्रकाशित पुस्तक (पाइलिपि) पुरस्कार के लिए चुनी जाएगी तो उसके सेक्षक (लेखकों) को पुरस्कार की आधी राशि दी जाएगी। बकाया राशि का भुगतान पुस्तक के प्रकाशन के बावजूद किया जाएगा।

IV. कुछ अन्य मुख्य बातें

1. यह योजना परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा चलाई जाएगी।
2. पुरस्कार सन् 1985 से शुरू होगे और प्रत्येक कैलेप्डर वर्ष के लिए दिए जायेंगे। लेकिन कैलेप्डर वर्ष 1985 के लिए ऐसी पुस्तकों को भी पुरस्कृत करने के बारे में विभाग किया जाएगा जो सन् 1984 में लिखी गई है या प्रकाशित हुई है।

3. प्रत्येक कैलेप्डर वर्ष में प्रस्तुत की गई पुस्तकों/पाइलिपियों का मूल्यांकन परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा गठित मूल्यांकन समिति करेगी। उस समिति का नियंत्रण सभी प्रकार से अनितम और बाध्यकारी होगा और उसके विहद कोई घारील नहीं की जा सकेगी।

यदि किसी पुस्तक/पाइलिपि को भारत सरकार, किसी राज्य सरकार अथवा किसी अन्य निकाय या संगठन द्वारा चलाई जा रही किसी अन्य योजना के अन्तर्गत कोई पुरस्कार अथवा परिदान मिल जुका है अथवा आधिक सहायता दी गई है तो उस पुस्तक/पाइलिपि पर ही से योजना के अन्तर्गत पुरस्कार देने के बारे में विभाग नहीं किया जाएगा।

5. किसी भी सेक्षक को एक कैलेप्डर वर्ष में एक से अधिक पुरस्कार नहीं दिए जाएंगे।

6. यदि पुरस्कार के लिए चुनी गई कोई पुस्तक/पाइलिपि एक से अधिक व्यक्ति द्वारा लिखी गई अथवा तैयार की गई है तो पुरस्कार की राशि का वितरण उन अधिकारियों में बांटावार भागों में किया जाएगा।

7. इस योजना में केवल भारत के नागरिक भाग ले सकेंगे।

V. पुरस्कारों के लिए आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया

परमाणु ऊर्जा विभाग पुरस्कारों के लिए लेखकों के आवेदन-पत्र अंग्रेजी भाषा हिन्दी के अधिकारी समाचार-पत्रों में सूचना प्रकाशित करके आमंत्रित करेगा।

लेखक अपने आवेदन-पत्रों की ओर प्रतियां निर्धारित फार्म में भरकर संयुक्त संविवेदन, परमाणु ऊर्जा विभाग, ऑल्ड याट लेख बिल्डिंग, छक्कपति शिवाजी महाराज मार्ग, बैंकरी-400 039 को सेंजेंगे। आवेदन-पत्र के साथ विचारार्थी पाइलिपियों/प्रकाशित पुस्तकों भी भेजी जायेंगी।

VI. मूल्यांकन समिति

- (1) इस योजना के अन्तर्गत पुरस्कार देने के लिए पुस्तकों/पाइलिपियों के चयन और मूल्यांकन के लिए एक मूल्यांकन समिति होगी।
- (2) मूल्यांकन समिति में अध्यक्ष सहित पांच सदस्य होंगे तथा इसका गठन परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव करेगे। यह समिति यदि चाहे हो तो अपनी सहायता के लिए विशेष अधिकार दो) सहयोगित कर सकती है।
- (3) यदि मूल्यांकन समिति के किसी सदस्य अन्य विषयों को, जिसमें समिति के प्रत्येक अध्यक्ष भी शामिल है, अध्यविधियों द्वारा प्रस्तुत पाइलिपियों/पुस्तकों का मूल्यांकन करने पर परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा यथानिर्धारित मानवेय दिया जाएगा।
- (4) परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा मूल्यांकन समिति की सिफारिशों स्वीकार की जाने के बावजूद पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी।
- (5) परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा मूल्यांकन समिति की सिफारिशों

VII. अन्य सामान्य बातें

- मौलिक हिन्दी पुस्तक का भाषाय निम्नलिखित प्रकार की पुस्तक से है:
- (क) जो प्रतियोगी/लेखक द्वारा स्वयं मूल रूप से हिन्दी में लिखी गई हो;
 - (ख) जो किसी लेखक द्वारा किसी अन्य भाषा में लिखी गई पुस्तक अथवा लेख का प्रतियोगी द्वारा किया गया अनुवाद न हो;
 - (ग) जो प्रतियोगी द्वारा स्वयं किसी अन्य भाषा में लिखी गई पुस्तक का स्वयं उस प्रतियोगी द्वारा अथवा किसी व्यावसायिक अनुवादक द्वारा तैयार किया गया अनुवाद न हो;
 - (घ) जिसे प्रतियोगी ने मूल रूप में हिन्दी में अथवा किसी अन्य भाषा में किसी शासकीय हैसियत से तथा अपने सरकारी कामकाज के एक भाग के रूप में लिखा हो;
 - (ङ) जो प्रतियोगी द्वारा स्वयं अथवा किसी व्यावसायिक अनुवादक द्वारा किया गया किसी ऐसी पुस्तक अथवा लेख का हिन्दी अनुवाद न हो जिसे लेखक ने अपनी में अथवा किसी अन्य भाषा में अपनी शासकीय हैसियत से तथा अपने सरकारी कामकाज के एक भाग के रूप में अपनी में अथवा किसी अन्य भाषा में लिखा तथा/अथवा प्रकाशित कराया हो; तथा
 - (च) जो किसी सरकारी उके के अन्तर्गत अथवा किसी सरकारी योजना के अनुसार लिखी गई पुस्तक न हो।

VIII. यह योजना एक ऐसी योजना है जिसके अन्तर्गत पुरस्कार प्रति वर्ष में दिए जायेंगे। फिर भी, परमाणु ऊर्जा विभाग को इस योजना में संशोधित करने का अधिकार है।

आवेदन

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, मारत के सभी विषयविद्यालयों और क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कालेजों, तथा समाचार एजेंसियों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सार्वजनिक सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

शेषेन्द्र पाण्डे, उप सचिव

प्रभुवन्ध-1

डा० होमी भाभा पुरस्कार योजना के लिए निर्धारित विषय

1. रेडियो-ऐक्टिव पदार्थों का उपयोग, निपटान और परिवर्तन
2. परमाणु ऊर्जा के शास्त्रीय उपयोग
3. परमाणु ऊर्जनिज-सर्वेक्षण, पूर्वोक्तन, भू-वैधन, विकास-कार्य और खनन
4. परमाणु ऊर्जनिजों के उत्पाद और उपोत्पाद
5. परमाणु ऊर्जा के उपयोग से विज्ञानी का उत्पादन
6. न्यूक्लियर रिएक्टरों का अभिकलन, निर्माण और प्रचालन
7. आइसोटोप और उनके उपयोग
8. भारी पानी का उत्पादन
9. विरल मृदाश्रों को अलग करना और काम में लाना
10. न्यूक्लियर ईशन
11. फास्ट ब्रोडर रिएक्टर
12. भारत के सन्वर्ध न्यूक्लियर ऊर्जा और उसका भवित्व

13. विश्वासन रिएक्टर

14. संलयन कर्जी

15. ट्रैसर तकनीक और उनके अनुप्रयोग

16. अविनाशी परीक्षण

17. लेसर और उसके अनुप्रयोग

18. मूल कण, एकीकरण सिद्धान्त और धाराघासिक अवृत्ति

19. ट्विरक टैक्सोलाजी और उसके अनुप्रयोग

20. जीव विज्ञान और इसमें नाभिकीय विकिरण के अनुप्रयोग

21. मार्यादिविज्ञान में नाभिकीय विकिरण और रेडियो आइसोटोपों के अनुप्रयोग

22. अति भारी मूलतर्फ

23. रेडियो एक्टिवता से सुरक्षा

24. न्यूक्लियर सुरक्षा

25. न्यूक्लियर अपशिष्ट पदार्थों का नियन्त्रण

26. न्यूट्रोन प्रकीर्णन

27. थोरियम का उपयोग

28. विकिरण ज्ञाति

29. अति शुद्ध पदार्थों का उत्पादन और उनके उपयोग

30. ऊर्जा संकट तथा न्यूक्लियर ऊर्जा के क्षेत्र में उनके उपयोग

31. मिथिधातुएं और न्यूक्लियर ऊर्जा के क्षेत्र में उनके उपयोग

भूखांकन समिति को यह अधिकार होगा कि वह परमाणु ऊर्जा विभाग से संबंधित क्षेत्रों में होने वाले नए विकास-कार्यों को व्यावर में रखकर उपर्युक्त विषयों में परिवर्तन करके अथवा इस सूची में और विषय जोड़ दे।

पैट्रोलियम भन्तालय

नई विल्सो, दिनांक 11 जुलाई 1985

आदेश

विषय:—बी०-५६ संरचना क्षेत्र में 214 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (बी० ओ० पी०) पैट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

स० ओ०-१२०१२/१६/८५-मो० एन० बी० ओ० पी० VI—पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम ५ के उपनियम (१) की धारा (१) द्वारा प्रवर्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग तेल खदान, वेहरातून (जो इसके बाद आयोग कहा जायेगा) को बी०-५६ संरचना क्षेत्र में 214 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र अपर्याप्ती में पैट्रोलियम मिलने की सम्भावना हेतु एक पैट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस १-३-८५ से ४ वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न भन्सूची "क" में दिए गए हैं।

साइरेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है:—

(क) अन्वेषण लाइसेंस पैट्रोलियम के संबंध में होगा।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाये गए हो तो आयोग पूर्ण व्यौटे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।

(ग) स्वतं शुल्क (रायलटी) निम्नलिखित वर्तों पर ली जायेगी:

(i) समस्त अन्वेषण तेल तथा कैरिंग हैड केडेंट पर ६१ रुपए प्रति बी० टन या ऐसी वर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

(ii) प्राकृतिक गैस के सम्बन्ध में ये वर केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित वर के अनुसार होगी।

(iii) स्वतं शुल्क (रायलटी) की अदायगी, पैट्रोलियम भन्तालय नई विल्सो के बेतन तथा सेवा अधिकारी को दी जायेगी।

(प) आयोग लाईसेंस के अनुमतिरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अन्वेषण तेल की मात्रा, कैसिंग हैड कंडेन्सेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य बण्णनि वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय मंत्रालय को भेजेगा। यह विवरण संबंध अनुसूची "क" में दिए गए प्रपत्र में भरकर देना होगा।

(इ.) पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 की आवश्यकता के अनुसार आयोग 6000/- रुपए की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(ज) आयोग प्रतिवर्ष लाईसेंस के सम्बन्ध में एक शुल्क के सम्बन्ध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ष किलोमीटर या उसके किसी ब्रांश जिसका लाईसेंस में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी।

1. लाईसेंस के प्रथम वर्ष के लिए	. 4 रु
2. लाईसेंस के हितीय वर्ष के लिए	. 20 रु
3. लाईसेंस के चूर्तीय वर्ष के लिए	. 100 रु
4. लाईसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए	. 200 रु
5. लाईसेंस के नवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 300 रुपए।	

(छ) पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 के उपनियम (3) की आवश्यकतानुसार को प्रन्वेषण साठारेंस के किसी छेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतन्त्रता सरकार को दो माह के नोटिस के बावजूद होगी।

(ज) केन्द्रीय सरकार की मांग पर उम्मीद तरकाल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के प्रत्यर्गत पाये गए समस्त खनिज पदार्थों के सम्बन्ध में भवीज्ञानिक भांकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गृह्ण रूप से देंगा तथा हर छ: महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिषालनों अध्यन तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की तलहटी और/या उसके घरातल पर आग लगने सम्बन्धी नियारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग लगाने हेतु हर समय के लिए ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और हीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुश्वायजा देगा जितना कि आग लगने से हुई घटना के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण साठारेंस पर तेल थेल (नियंत्रण और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) और पैट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबन्ध लागू होंगे।

(ट) पैट्रोलियम अन्वेषण साठारेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक जैसा दस्तावेज भर कर देना जो अपतटीय स्रोतों के लिए अवहार्य होगा।

(ठ) आयोग द्वारा खुदाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए आवी भीटिक सतही नमूने द्वारा और जूम्बकीय आंकड़े सामान्य रूप से रक्षा मन्त्रालय/नीसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करने चाहिए।

(ड) आंकड़े भारत में संकलित किए जाते हैं।

(इ) आयोग समुद्र विकास सम्बन्धी आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

(ण) संकलित आंकड़ों का एक पूरा सेट सीख हाइड्रोग्राफर, देहरादून को नियुलक सप्लाई किया जाता है।

(त) विवेशी जल पोत/रियों का उन्हें बास्तविक रूप से काम से लाने से पहले विवेशी धधिकारियों के एक एल द्वारा मूल्य नीसेना बेस पर नीसेना भूरक्षा निरीक्षण किया जाता है। प्रत्येक जल पोत/रियों के सम्बन्ध में विवरणों की आठ प्रतियाँ नीसेना मुख्यालय को छनके आने से छ: साताह पहले भेज दी जानी होती है ताकि नीसेना दल को प्रतिनियुक्त करने में सुविधा हो।

(थ) सर्वेक्षण के शुरू किए जाने/समाप्त किए जाने की तिथि सुनिश्चित की जायेगी ताकि भविष्य में संचालनात्मक योजना बनाने में सुविधा हो।

अनुसूची—"क"

बी-56 पैट्रोलियम अन्वेषी थेल में 214 वर्ग किलोमीटर थेल का भौगोलिक सम्बन्ध

	रेक्टांग	प्रकाश
विन्टु "क"	. 71° 37" 38.40"	19° 51" 01.20"
विन्टु "ख"	. 71° 44" 30"	19° 53" 24.60"
विन्टु "ग"	. 71° 48" 51.60"	19° 43" 52.80"
विन्टु "घ"	. 71° 42" 14.40"	19° 42" 31.80"

भूमि पर महत्वपूर्ण स्थानों के लगभग दूरी

धन्दई—150 किलोमीटर

तारापुर—105 किलोमीटर

अनुसूची—"ख"

अशोधित थेल, कैसिंग कंडेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण

के लिए पैट्रोलियम अन्वेषण साठारेंस

क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर

माह तथा वर्ग

क—अशोधित थेल

कुल प्राप्त किलो लीटरों की सं०

अपरिक्षिय रूप से योग्य अध्यया प्राकृतिक जलाशय को लीटरों मी० टनों की संख्या

केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पैट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किए गए मी० टनों की संख्या

कालम 2 और 3 को बढ़ाकर प्राप्त मी० टनों की संख्या

टिप्पणी

प्राप्त किए गए कुल मी० टनों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोए प्रदवधा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टनों की संख्या	फेन्ड्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम इस्पेषण कार्य हेतु प्रयोग किए गए मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टनों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ग—प्राकृतिक गीस

कुल प्राप्त घन मीटरों की संख्या	अपरिहार्य सूप से खोए भ्रष्टाचार प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा मनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किए गए घन मीटरों की संख्या	कासम 2 घीर 3 की घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एसटीडारा में, श्री— सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता है कि इस विवरण में ये गई सूचना पूर्ण रूप से सत्य और सही है, उसी सही समझते हुए मैं श्रद्धा भन्तः करण से सर्वनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताखर-

या उसके किसी अंश जिसका लाइसेंस भें उत्तरोत्तम किया गया हो, निम्नलिखित दूरों पर की जायेगी।

- | | |
|--|--------|
| 1. साइंस के प्रथम वर्ष के लिए | 4 रु |
| 2. साइंस के द्वितीय वर्ष के लिए | 20 रु |
| 3. साइंस के तृतीय वर्ष के लिए | 100 रु |
| 4. साइंस के चतुर्थ वर्ष के लिए | 200 रु |
| 5. साइंस के नवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 300 | |

(४) पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 के उपनियम (३) की आवश्यकतानुसार आयोग को अन्वेषण साइंसेस के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता सरकार को दी मात्र के मोटिस के बाद होगी।

(ज) केन्द्रीय सरकार की मांग पर उसको तत्काल तैल तथा प्राहृष्टिक गैस अन्वेषण के अन्तर्गत पाये गए समस्त खनिज पदार्थों के सम्बन्ध में भूवैज्ञानिक अधिकारों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देखा तथा हर छ. महीने में विशिष्ट रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिवालालों व्यब्धन तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सचिना देगा।

(म) भायोग समुद्र की तालहड़ी और/या उसके घरातल पर भाग लगने सम्बन्धी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा भाग बूझाने हेतु हर सभ्य के लिए ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उत्तरा मुशावजा देगा। जिताना कि भाग लगाने से कुई द्वापनि के बारे में सिर्फास्त किया जायेगा।

(क) इस प्रम्मेषण भाइसेंस पर तेल जल . (नियंत्रण भीर विकास) भविनियम, 1948 (1948 का 53) और पैट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबन्ध लागू होंगे ।

(ट) पैदोलियम अन्वेषण लाइसेंस के भारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसा दस्तावेज भर कर देगा जो भ्रष्टाचारी संक्रान्ति के लिए व्यवस्थापूर्ण होगा।

(3) प्रायोग धारा घुटाई/मन्त्रेशी प्रापरेशनों/सर्वेषणों के बौद्धन एकत्र किए गए व्यायो-मीटिंग सभाही नमूने धारा और चुम्कीय आंकड़ सामान्य रूप से रखा मंत्रालय/नीमे ना मञ्चालय को प्रस्तुत करने चाहिए।

(इ) आंकड़े भारत में संकलित किए जाते हैं।

(d) आयोग समृद्धि विज्ञान सम्बन्धी आंकड़े की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

(४) संकलित आंकड़ों का एक पूरा सेट बीफ हाइड्रोप्राफर, देहरादून को नियुक्त सालाई किया जाता है।

(५) विदेशी जल पोत/रिंगों का इन्हें वास्तविक रूप से काम में लाने से पहले विशेष अधिकारियों के एक दल द्वारा मृद्ग नौसेना बेस पर नौयोन सुरक्षा निरीक्षण किया जाता है। प्रत्येक जल पोत/रिंग के सम्बन्ध में विवरण की आठ प्रतियाँ नौसेना मुख्यालय को इनके ज्ञाने के लिए उपलब्ध करने में मुश्किल होती हैं ताकि नौसेना दल को प्रतिनियुक्त करने में मुश्किल हो।

(६) सर्वेक्षण के गूर्ह किए जाने/समाप्त किए जाने की तिथि सूचित की जायेगी ताकि भविष्य में संचालनात्मक योजना बनाने में सुविधा हो।

प्रत्यक्षी "क"

श्री— 174 संरक्षना का भूभौतिकीय सम्बन्ध

बिंदु	रेखांश	घ्रांश
क	७२° २१' ३५"	१८° ५५' ४३"
ख	७२° २३' ११"	१८° ५५' ५६"
ग	७२° २३' ५६"	१८° ५१' ११"
घ	७२° २२' १८"	१८° ५०' ५७"

वर्ग किलोमीटर : 27, 30 वर्ग किलोमीटर में क्षेत्र

प्रत्यक्षी—क

प्रशोधित तेल, केसिंग कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अधिकार शासन ।

क्षेत्रफल : वर्ग किलोमीटर ।

माह तथा वर्ष

क—प्रशोधित तेल

कुल प्राप्त किलो लीटरों की सं०	प्रपरिष्कार्य रूप से खोए अथवा प्राकृतिक जलाशय को लीटाए किलो लीटरों की संख्या	पेन्द्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य नेतृ प्रयोग किए गए किलो लीटरों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त किलो लीटरों की सं०	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ख—केसिंग हैंड कन्डेन्सेट

प्राप्त किए गए कुल किलो लीटरों की संख्या	प्रपरिष्कार्य रूप से खोए अथवा प्राकृतिक जलाशय को लीटाए गए किलो लीटरों की संख्या	पेन्द्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य नेतृ प्रयोग किए गए किलो लीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त किलो लीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ग—प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की संख्या	प्रपरिष्कार्य रूप से खोए अथवा प्राकृतिक जलाशय को लीटाए गए घन मीटरों की संख्या	पेन्द्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य नेतृ प्रयोग किए गए घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त किलो लीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री—
गृष्म निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में ही वह सूचना पूर्ण क्षेत्र सत्य और सही है, उसे सही समझते हए मैं शुद्ध अन्तरःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर—

भारत के राष्ट्रपति के आवेदन से और उनके नाम पर

श्री० कौ० राजगोपालन, ईस्क अधिकारी

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली—1, दिनांक 10 जुलाई 1985

प्रादेश

सं० 27/9/85-सं० एस०-2—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 209-की उपधारा (1) के बाब्द 2 हारा प्रवत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा श्री एस० एस० शर्मा निरीक्षण प्रधिकारी की कम्पनी कार्य विभाग में कथित धारा 209-के उद्देश्यों के लिए प्राथिकृत करती है।

जी० वेंकटरमणी, अवतर सचिव

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय
(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० 13-5/84-बी० क० ए०—उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1957 के बाब्द 2 के उपचंड (आ) के उपबन्धों के प्रत्यर्गत केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा कृषि निदेशक, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़ को हरियाणा राज्य में उक्त आदेश के उपचंड 4 और 21 के ग्राहीन नियंत्रण के रूप में कार्य करने के लिए भी प्राथिकृत करती है।

जी० क० तैमनी, संयुक्त सचिव

शिक्षा मन्त्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 1985
संकल्प

सं० एफ० 7-110-1/84-ईस्क० 1 (भाषा)—शिक्षा मन्त्रालय के दिनांक 21 सितम्बर, 1984 के संकल्प संख्या 7 (II)-1/84-ईस्क०-I (भाषा) का भाषिक रूप से संशोधन करते हुए एवं द्वारा उपरोक्त संकल्प में निम्नलिखित संशोधन करते हैं। संशोधन तत्काल संप्रभावी होंगे।

पैरा : संरक्षन :

क० सं० I में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :

"शिक्षा मन्त्री"

क० सं० III (ब), (ग) तथा (घ) में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :

"श्री यज्ञ प्रकाश प्रद्वाल

श्री मोहम्मद महमूज अली खां

कुमारी पुष्पा वेदी सिंह"

क० सं० III (घ) में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :

"श्री शकर सिंह बाधे ला"

प्रादेश

सं० एफ० 7-(11)-1/84-ईस्क० 1 (भाषा)—यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति राज्य सरकारों तथा संघ शासित प्रशासनों, प्रधानमन्त्री सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना भायोग, निवाचन भायोग,

संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों तथा हिन्दी सलाहकार भारत सरकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वे सामान्य की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

प्रादेश मिश्र, निदेशक (भाषा)

समाज और महिला कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1985

संकल्प

सं० ई० 11015/1/79 हिन्दी—समाज और महिला कल्याण मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन के बारे में इस मंत्रालय के दिनांक 23 अक्टूबर 1982 के समर्थक संकल्प में भाषिक संोष्ठन करते हुए तथा दिनांक 3 जुलाई 1984 के समर्थक संकल्प का प्रधिक्रमण करते हुए श्री जगराम वर्मा और श्री पुष्प शुद्धाकर पाण्डेय के स्थान पर लोकमण्डा सदस्य द्वेषम आविदा ग्रहण और श्री एस० जगतराधिकान् को समाज और महिला कल्याण मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य नामित करने का संकल्प किया जाता है।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इम संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों, प्रधानमन्त्री का कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना भायोग, महिलाओं का कार्यालय, केन्द्रीय राज्य तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों आदि को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० एस० द्वारा, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1985

संकल्प

सं० हिन्दी/समिति/83/38/5—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के दिनांक 3-10-83 तथा समय-समय पर संशोधित समर्थक संकल्पों के अम में श्री शफी कुरेशी, इतवाहा, नानदेह (महाराष्ट्र) को एवं द्वारा रेल मंत्रालय के प्रधान गठित रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया जाता है।

प्रादेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधानमन्त्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

प्रमरनाथ थाचू, सचिव
रेलवे बोर्ड तथा भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
New Delhi-110011, the 2nd July 1985
RESOLUTION

No. 6/6/85-Hindi.—The Government of India in the Department of Atomic Energy have decided to introduce a scheme known as the Dr. Homi Bhabha Award Scheme for giving awards to authors writing original books in Hindi on subjects pertaining to the Department of Atomic Energy. The main features of the Scheme are as follows :—

I. Title of the Scheme

The scheme shall be known as the "Dr. Homi Bhabha Award Scheme for original books in Hindi on subjects pertaining to the Department of Atomic Energy."

II. Objectives and Scope

The main object of the scheme is to encourage, by giving annual awards, preparation and writing of standard original books in Hindi on subjects pertaining to atomic energy and on other subjects coming under the purview of the Department of Atomic Energy. Subjects identified for the purpose are listed in Annexure-I. Books on subjects coming under the purview of the Department of Atomic Energy other than those listed in Annexure-I will also be considered.

III. Amount of the award

Annual awards will be given as under for original books written in Hindi on the recommendations of an Evaluation Committee constituted in the manner mentioned in para VI of the scheme :—

1. First prize of Rs. 10,000/-
2. Second prize of Rs. 7,500/-
3. Third prize of Rs. 5,000/-

If in any year, original books are not found by the Evaluation Committee to be of an appropriate standard, any or all the prizes may not be awarded.

If an unpublished work (manuscript) is selected for a prize, only half the amount of the prize money will be given to the author(s) and the rest of the amount will be given after the book has been published.

IV. Salient features

- (1) The scheme will be administered by the Department of Atomic Energy.
- (2) The awards will be made for each calendar year beginning with 1985. However, for the calendar year 1985, books written/published in the year 1984 will also be considered for prizes.
- (3) The books/manuscripts submitted during a calendar year will be assessed by the Evaluation Committee set up by the Department of Atomic Energy and the decision of the Evaluation Committee shall be final and binding in all respects and no appeal will lie against its decision.
- (4) Any book/manuscript which has received any award, subsidy or financial assistance under any other scheme operated by the Government of India, any State Government or any other body or organisation would not be eligible for consideration of an award under this scheme.
- (5) No author will be awarded more than the prize in any calendar year.
- (6) In case the book/manuscripts selected for award of prize has been written or prepared by more than one person, the prize amount will be distributed equally among those persons.
- (7) The scheme shall be open to Indian citizens only.

V. Procedure for receiving applications for the awards

The Department of Atomic Energy will invite applications for award of prizes from authors through a notice published in leading newspapers in English and Hindi.

The authors will be required to submit their applications in prescribed form alongwith manuscripts/published books in quadruplicate addressed to the Joint Secretary (Hindi), Department of Atomic Energy, OYC Building, C.S.M. Marg, Bombay-400 039.

2 —171GI/85

VI. Evaluation Committee

- (1) There will be an Evaluation Committee to select and evaluate the books/manuscripts for granting awards under this scheme.
- (2) The Evaluation Committee shall consist of five members including its Chairman and it shall be constituted by the Secretary, Department of Atomic Energy.
- (3) If a member of the Evaluation Committee or his relative is to be considered for the award of a prize, he will cease to be a member of the Evaluation Committee.
- (4) Honorarium as may be fixed by the Department of Atomic Energy shall be paid to each or any Member/Expert of the Committee, including the Chairman, for the evaluation made by him of the manuscripts/books submitted by the candidates.
- (5) After acceptance of the recommendations of the Evaluation Committee by the Department of Atomic Energy, the prizes shall be announced.

VII. General

Original book in Hindi means a book

- (a) which has been written by a competitor/author himself originally in Hindi;
- (b) which is not a book or an article written by some author in some other language and translated by the competitor;
- (c) which is not a work written originally in some other language by the competitor himself and has been translated into Hindi by him or by a professional translator;
- (d) which is not written originally in Hindi or in some other language by the competitor in his official capacity and as part of his official work;
- (e) which is not a Hindi translation rendered by the competitor himself or a professional translator of a book or an article which has been written by the competitor in English or some other language in the official capacity and part of his official work;
- (f) which is not a detailed or abridged or summarised Hindi version prepared by the competitor himself or someone else of a book or article already written and/or published by the competitor in English or some other language in his capacity and as a part of his official work; and
- (g) which is not a book written under some Government contract or according to some Government scheme.

VIII. The scheme will be an Annual feature. However, the Department of Atomic Energy reserves the right to modify the scheme.

ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to all State Governments, Union Ministries and Departments of Government of India, all Universities & Regional Engineering Colleges in India, and News agencies.

Ordered further that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

SHAILENDRA PANDEY
Dy. Secy.

ANNEXURE I

SUBJECTS COVERED UNDER DR. HOMI BHABHA AWARD SCHEME

1. Use, disposal and transport of radio-active substances
2. Peaceful uses of atomic energy
3. Atomic Minerals—survey, prospecting, drilling, development and mining
4. Products and bi-products of atomic minerals

3. Generation of electricity through the use of nuclear energy
6. Design, construction and operation of nuclear reactors.
7. Isotopes and their uses
8. Production of Heavy Water
9. Separation and utilization of rare earths
10. Nuclear Fuels
11. Fast Breeder Reactors
12. Nuclear Energy and its future in Indian context
13. Fission Reactors
14. Fusion Energy
15. Tracer Techniques and their applications.
16. Non-destructive testing
17. Laser and its applications
18. Fundamental Particles, Unification Theory and Modern Cosmology
19. Accelerator Technology and its applications
20. Applications of nuclear radiation in biology and agriculture
21. Applications of nuclear radiation and radio isotopes in medicine
22. Super Heavy Elements
23. Radiological Protection
24. Nuclear Safety
25. Nuclear Waste Management
26. Neutron scattering
27. Utilization of Thorium
28. Radiation Damage
29. Production and uses of very pure substances
30. Energy Crisis and nuclear energy
31. Alloys and their uses in the field of nuclear energy.

The Evaluation Committee reserves the right to modify these subjects or add more subjects to this list keeping in view new developments in fields pertaining to the Department of Atomic Energy.

MINISTRY OF PETROLEUM
New Delhi, the 11th July 1985
ORDER

Subject : Grant of Petroleum Exploration Licence for B-56 Structure measuring 214 sq. kms. to ONGC (BOP).

No. O-12012/16/85-ONGD4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (i) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tol Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to Prospect for Petroleum for four years from 1-3-85 for B-56 structure area measuring 214 sq. kms. (offshore) the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.
 - (i) Rs. 61/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.
 - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts Officer, Ministry of Petroleum, New Delhi.

- (d) The Commission shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing head condensate and natural gas obtained during the proceeding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square Kilometre or part thereof covered by the licence.
 - (i) Rs. 4/- for the first year of the licence;
 - (ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;
 - (iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;
 - (iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;
 - (v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.
- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.
- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to off-shore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) ONGC ensure security of Oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Copies of the data collected by ONGC in this area is made available free of cost to Ministry of Defence/Chief Hydro.
- (p) Foreign Vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspections by a team of Indian Navy Specialists officers prior to deployment. Adequate notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of Inspection team.
- (q) The date of Commencement/cessation of survey be intimated to facilitate future operational planning.

Schedule 'A'

Geographical co-ordinates of B-56 Petroleum Exploration - area measuring 214 sq. kms.

Point	Longitude	Latitude
A	71° 37' 38.40"	19° 51' 01.20"
B	71° 44' 30"	19° 33' 24.60"
C	71° 48' 51.60"	19° 43' 52.80"
D	71° 42' 14.40"	19° 42' 31.80"

Approximate distances from prominent places on land

Bombay — 150 kms

Tarapur — 150 kms

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and year

A Crude Oil

Total No of Metric Tonnes obtained	No of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B-Casing head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No of Metric Tonnes Unavoidably lost or returned to natural reservoir	No of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by Central Govt.	No of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C-Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

1

(Signature)

By order in the name of the President of India.

ORDER

Subject : Grant of Petroleum Exploration Licence for B-174 Structure measuring 27.30 sq. kms. to ONGC (BOP).

No. O-12012|17|85-ONGD4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (i) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhawan, Dehradun (herein after referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to Prospect for Petroleum for four years from 1-3-85 for B-174 Structure, area measuring 27.30 sq. kms. (offshore) the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

(a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.

(b) If any minerals are found during the exploration work, the commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.

(c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.

(i) Rs. 61/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts officer, Ministry of Petroleum, New Delhi.

- (d) The Commission shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing head condensate and natural gas obtained during the proceeding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square Kilometer or part thereof covered by the licence.
- (i) Rs. 4/- for the first year of the licence;
 - (ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;
 - (iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;
 - (iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;
 - (v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.
- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.
- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission shall render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey to Ministry of Defence Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) ONGC ensure security of Oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Copies of the data collected by ONGC in this area is made available free of cost to Ministry of Defence/Chief Hydro.
- (p) Foreign Vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspections by a team of Indian Navy Specialists officers prior to deployment. Adequate notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.
- (q) The date of commencement/cessation of survey be intimated to facilitate future operational planning.

SCHEDULE 'A'

Geographical co-ordinates of B-174 Structure

Point	Longitude	Latitude
A	72° 21' 35"	18° 55' 43"
B	72° 23' 11"	18° 55' 56"
C	72° 23' 56"	18° 51' 11"
D	72° 22' 18"	18° 50' 57"

Area in Sq. Kms. 27.30 sq. Kms.

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas
Produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for
Area
Month and year

A Grude Oil

Total No of Metric Tonnes obtained	No of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B- Casing head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Govt.	No of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C-Natural Gas				
Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Govt.	Number of cubic metres obtained less surcharges 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

Signature

By order in the name of the President of India,

P. K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

**MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS**

New Delhi-1, the 10th July 1985

ORDER

No. 27/9/85-CL-II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorise Shri H. S. Sharma, Inspecting Officer, in the Department of Company Affairs for the purpose of said section 209-A.

G. VENKATARAMANI, Under Secy.

**MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)**

New Delhi, the 9th July 1985

G.S.R. No. 13-5/84-STU.—In pursuance of sub-Clause (b) of clause 2 of the Fertiliser (Control) Order, 1957, the Central Government hereby empowers the Director of Agriculture, Government of Haryana, Chandigarh, to exercise the functions of the Controller under clause 4 and 21 of the said Order, in the State of Haryana.

B. K. TAIMNI, Jt. Secy.

**MINISTRY OF EDUCATION
RESOLUTION**

No. F.7-(II)-I/84-D.I(L).—In partial modification of the Ministry of Education Resolution No. F. 7 (II)-I/84-D. I(L) dated the 21st September, 1984, it is hereby resolved to make the following amendments in the aforesaid Resolution. The amendments shall take immediate effect.

Para : 1. **COMPOSITION :**

For the existing entry against Sl. No. 1 the following shall be substituted :

“Ministry of Education”

For the existing entry against Cl. No. II(b), (c) and (d) the following shall be substituted :

“Sh. Jai Parkash Agarwal

Sh. Mohd. Mahfooz Ali Khan

Km. Pushpa Devi Singh”

For the existing entry against Cl. No. III (b) the following shall be substituted :

“Shri Shanker Singh Vaghela”

No. F.7-(II)-I/84-D.I(L)

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments and Union Territory Administration, Prime Minister's Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Election Commission, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, President's Secretariat, All Ministries and Departments of the Govern-

ment of India and Hindi Adviser to the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ADARSH MISRA, Director (L)

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL

New Delhi, the 9th July 1985

RESOLUTION

No. E. 11015/1/79-Hindi.—In partial modification and in supersession of this Ministry's resolutions of even number dated 23rd October, 1982 and dated 3rd July, 1984 respectively regarding constitution of Hindi Advisory Committee for the Ministry of Social and Women's Welfare, it is resolved to nominate Begum Abida Ahmad and Shri S. Jagatrakshakan, Members of Parliament (Lok Sabha) in place of S|Shri J. R. Verma and Sudhakar Pandeya as members of Hindi Advisory Committee for the Ministry of Social and Women's Welfare.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be sent to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat Comptroller & Auditor General of India, Accountant General, Central Revenue and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. S. DAYAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the July 1985

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/83/38/5.—In continuation to Ministry of Railways (Railway Board's) Resolution of even number dated 3-10-83 and changes made there-in from time to time, Shri Shafiq Qureshi, Itwada, Nanded (Maharashtra) is hereby nominated as a member of Railway Hindi Sahakar Samiti constituted under Ministry of Railways.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectts. and Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. N. WANCHOO Secy. Railway Board
ex-officio Jt. Secy. to the
Government of India

